



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 352]
No. 352]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 5, 1984/ भाद्र 14, 1906
NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 5, 1984/BHADRA 14, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(पतन पत्र)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1984

सा. का. नि. 646(अ) :—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पतन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 33, उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, नौवहन और परिवहन मंत्रालय (पतन पत्र) की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 722 दिनांक 9 अगस्त, 1982 के साथ पठित सा. का. नि. 689 (अ) दिनांक 9 नवम्बर, 1977 के अधिक्रमण की तारीख से पहले किए गए काम या छोड़े गए काम को छोड़कर, उसका अधिक्रमण करते हुए निदेश देती है कि इस अधिसूचना के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से आठ दिन के अवसान के पश्चात् अगले दिन से मार्गगत पतन में प्रवेश करने वाले जहाजों और इसके साथ संलग्न अनुसूची के कालम (1) के वर्गित जहाजों पर कालम (2) में निर्दिष्ट दरों पर उक्त अनुसूची के कालम (3) में नियत समय पर पतन शुल्क वसूला जाएगा, अर्थात् :—

अनुसूची
पतन शुल्क

शुल्क वसूलने योग्य जहाज	प्रति टन पतन शुल्क	उक्त जहाज से शुल्क वसूलने की अवधि
(1)	(2)	(3)
	रु. पै.	
1. 200 टन से 1000 टन तक के जहाज	2.00	30 दिन में एक बार प्रति टन
2. (क) 1001 टन से 10,000 टन तक के जहाज	2.40	—वही—
(ख) 10,001 टन से 20,000 टन तक के जहाज	2.80	—वही—
(ग) 20,001 टन से 40,000 टन तक के जहाज	3.20	—वही—

(1)	(2)	(3)
(घ) 40,001 टन से 60,000 टन तक के जहाज	3.60	30 दिन में एक बार प्रति टन
(ङ) 60,001 टन और इससे अधिक के जहाज	4.00	—वही—
3. (क) कन्द्रीकाफ्ट, टय लाच, फासगदालर बाज (अयस्क ढोने वाले बाजों को छोड़कर) और कोई दूसरे जहाज जो उपरोक्त खंड 1 और 2 में नहीं आते	1.00	—वही—
(ख) कन्द्रीकाफ्ट, लाच और अयस्क ढोने वाले बाज		निःशुल्क
(ग) अतिप्रति टनेज कर	0.10	सेजे गए अयस्क के 1000 कि. ग्रा. या उसके अंश पर

टिप्पणी:

(1) तटवर्ती जहाजों (टैकरो को छोड़कर) पर उपरोक्त दर के 50% पतन शुल्क वसूला जाएगा।

(2) विदेशी जहाजों पर निम्नलिखित मापनों में उपरोक्त दर के 70% पतन शुल्क वसूला जाएगा:—

(क) जो जहाज जनरल कार्गो के पार्सलों को चढ़ाने-उतारने के काम में लगा है जो 3,000 टन से अधिक न हो।

(ख) जो जहाज देश के किसी अन्य पत्तन में ले जाने के लिए दूसरे जहाज में सिर्फ जमरल कार्गो उतारने के लिए पत्तन में आता है।

(ग) लैश, कंटेनर और री-री जहाज।

3. पतन शुल्क की संगणना करने में जहाज के पतन की सीमा में प्रवेश करने के दिन को भुगतान का दिन गिना जाएगा चाहे वास्तविक भुगतान की तारीख कोई भी हो।

4. इन पर पतन शुल्क नहीं लगेंगे:—

(i) कोई भी नौकाबिहार।

(ii) कोई भी जहाज जिसने पतन छोड़ दिया है, उसे मोसम या किसी प्रकार की अति होने की स्थिति में बाध्य होकर फिर से पतन में प्रवेश करना पड़ता है।

(iii) दूसरे भारतीय पत्तनों के जहाज।

(iv) जो जहाज भारतीय नौसेना के/जो सरकारी कंपनियों के होते हैं।

5. जो जहाज खाली और बगैर यात्री के पतन में प्रवेश करता है, उससे उक्त दर की तीन चौथाई दर पर पतन शुल्क लिया जाएगा। यह उपबंध सिर्फ कार्गो व यात्री जहाज पर ही लागू होता है।

6. जो जहाज पतन में प्रवेश करता है किन्तु किसी प्रकार का कोई कार्गो या यात्री न तो चढ़ाता है या उतारता है (मरम्मत के प्रयोजन के लिए माल उतारने और चढ़ाने को छोड़कर) तो उससे उक्त दर की आधी दर पर पतन शुल्क लिया जाएगा।

7. कोई जहाज जो भारतीय पत्तन (अर्थात् बम्बई) से किसी विदेश पत्तन के लिए रवाना होता है और रास्ते में किसी विदेशी पत्तन के लिए कोई कार्गो या यात्री चढ़ाता या उतारता है, तब उसे पतन शुल्क के प्रयोजन के लिए विदेशी जहाज समझा जाएगा।

8. जो जहाज अन्य पत्तन से आकर इस पत्तन में प्रवेश करता है और अपनी खपत के लिए सिर्फ खाद्य सामग्री, जल, बेकर, कौयसी या लख ईंधन लेता है, तब उससे उक्त दर की आधी दर पर पतन शुल्क वसूला जाएगा।

9. कोई जहाज जो टिप्पणी (5), (6) और (8) के तहत पतन शुल्क का भुगतान करने के बाद कोई कार्गो या यात्री को चढ़ाने या उतारने के लिए 30 दिन के भीतर पतन में प्रवेश करता है, तब उससे सिर्फ अस्तर की राशि वसूली जाएगी।

10. कोई भी जहाज जो बीमार/मृत कर्मियों को उतारने के लिए पत्तन में प्रवेश करता है, उससे पतन शुल्क नहीं लिया जाएगा।

स्पष्टीकरण:—

(क) "जहाज" में यात्री या सम्पत्ति के लाने ले-जाने के लिए बनाई गई वस्तु शामिल है, खासकर जल के रास्ते से।

(ख) "टन" का तात्पर्य उस टन से जिसे कुछ समय के लिए लागू नियमों द्वारा नियत किया गया है या नियत किया जाता है जिससे जहाज के सकल टनेज के माप को विनियमित किया जा सके।

(ग) "तटवर्ती जहाज" का तात्पर्य उस जहाज से है जो भारत में किसी भी पत्तन या स्थान से भारत के किसी भी पत्तन या स्थान के लिए समुद्री मार्ग से यात्रियों या कार्गो को ढोने में लगा है।

(घ) "विदेशी जहाज" का तात्पर्य उस जहाज से है जो भारत में किसी पत्तन या स्थान तथा भारत के बाहर अन्य पत्तन या स्थान या पत्तनों या स्थानों के बीच व्यापार करने में लगा है।

[फाइल सं. पी डब्ल्यू/पी जी आर/57/83]

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th September, 1984

G.S.R. 646(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 33, read with Section 34 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) and in supersession of the notification of Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Ports Wing) No. G.S.R. 689(E) dated the 9th November, 1977 read with G.S.R. 722 dated the 9th August, 1982, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby directs that with effect from the day following the expiration of sixty days from the date of publication of this notification in the Official Gazette, Port dues shall be levied on each of the vessels entering the Port of Mormugao as described in column (1) of the 'Schedule' hereto annexed at the rates specified in the corres-

port of entry in column (2), and at the intervals specified in the corresponding entry in column (3), of the said Schedule :

SCHEDULE
(Ports Dues)

Vessels chargeable	Rate of Port dues per ton Rs. P.	Dues how often chargeable in respect of the same vessel
(1)	(2)	(3)
1. Vessels from 200 tons up to 1,000 tons	2.00	per ton once in 30 days
2. (a) Vessels from 1001 tons up to 10,000 tons	2.40	-do-
(b) Vessels from 10,001 tons upto 20,000 tons	2.80	-do-
(c) Vessels from 20,001 tons up to 40,000 tons	3.20	-do-
(d) Vessels from 40,001 tons up to 60,000 tons	3.60	-do-
(e) Vessels of 60,001 tons and above	4.00	-do-
3. (a) Country crafts, tugs, launches fishing trawlers, barges (other than engaged in ore carrying) and any other vessels not covered under clauses 1 and 2 above	1.00	-do-
(b) Country crafts, launches and barges carrying ore	Free	
(c) Compensation Tonnage Tax	0.10	per 1000 kgs. or part thereof on ore shipped

NOTE :

- (1) Port dues on coastal vessels (other than tankers) shall be levied at 50% of above rates.
- (2) Port dues on foreign vessels shall be levied at 70% of above rates in the following cases :
 - (a) Vessels engaged in loading/unloading parcels of general cargo of the order of not more than 3,000 tonnes.
 - (b) Vessels calling at the port exclusively for lightening general cargo into other vessels for being carried to any other port in the country.
 - (c) Lash, container and RO-RO vessels.
- (3) In calculating the port dues the day of entry of a vessel within the limits of the port will be reckoned as the day of payment irrespective of the actual day of payment.
- (4) Port dues shall not be levied on :—
 - (i) Any pleasure yacht.
 - (ii) Any vessel, which, having left the port is compelled to re-enter by stress of weather or in consequence of having sustained any damage.
 - (iii) Vessels belonging to other Indian Ports.
 - (iv) Vessels belonging to Government and plying blue/white ensigns.

- (5) Vessels entering the port in ballast and not carrying passengers shall pay port dues at a rate of three-fourths of the above rate. This proviso is applicable to cargo-cum-passenger vessels only.
- (6) Vessels that enter the port but do not discharge or take in any cargo or passengers therein (with the exception of such unshipment and reshipment as may be necessary for purposes of repair) shall pay at one half of the above rate.
- (7) A vessel proceeding from an Indian port (say Bombay) to a foreign port and calling at Mormugao enroute to take in or discharge any cargo or passengers for a foreign port, shall be treated as a foreign vessel for the purpose of port dues.
- (8) Vessels entering the port from other ports and taking in only provisions, water, bunker, coal, or liquified fuel for their own consumption, shall be charged at one half of the above rates.
- (9) Vessels which, after paying the port dues under notes (5), (6) and (8), re-enter the port within the period of 30 days for taking or discharging any cargo or passengers shall be charged the difference.
- (10) Port dues shall not be levied on any vessel calling for disembarking sick/deceased crew.

EXPLANATION :—

- (a) "Vessel" includes anything made for the conveyance, mainly by water, of human beings or of property.
- (b) "Ton" means a ton determined or determinable by the rules for the time being in force, for regulating the measurement of the net tonnage of vessels.
- (c) "Coastal Vessel" means a vessel which is engaged in the carriage by sea of passengers or cargo from any port or place in India to any other port or place in India.
- (d) "Foreign Vessel" means a vessel engaged in trading between any port or place in India and other port or place or between ports or places outside India.

[File No. PW/PGR/57/83]

सं. का. नि. 647(अ) :—भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के खण्ड 35 के उप-खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित एवं परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार की अधिमूखना सं. सां. का. नि. 283, दिनांक 21-2-1967 में और संशोधन करते हुए सामुगाओं पत्तन में पायलट-कार्य और अन्य सेवाओं के शुल्क के विनियमन के लिए निम्नलिखित आदेश जारी करती है, अर्थात् :—

आदेश

1. संक्षेप में शीर्ष और प्रारंभ :—(1) यह आदेश सामुगाओं पत्तन पायलट-कार्य और अन्य सेवा (शुल्क) (संशोधन) आदेश, 1981 कदवाये 1
- (2) यह तत्काल प्रवृत्त होंगे।

2. मार्गगाओ पत्तन पायलट-कार्य और अन्य सेवा (शुल्क) आदेश, 1967 में अनुसूची के भाग 'क' और 'ख' के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात् :—

अनुसूची

भाग-क

(पायलट-कार्य शुल्क)

पत्तन में और पत्तन से बाहर जलयानों के पायलट-कार्य के लिए सभी जलयानों पर लागू आगत और निर्गामी पायलट-कार्य	जलयानों का आकार	निर्गामी पायलट-कार्य की दर	यूनिट
1	2	3	4
	1000 म ट भा	1.00	प्रति स ट भा.
	तक		
	1001 म ट भा	1.20	"
	और		
	10,000		
	म ट भा तक		
	10,001	1.40	
	म ट भा और		
	20,000		
	म ट भा तक		
	20,001	1.60	"
	म ट भा और		
	40,001		
	म ट भा तक		
	40,001	1.80	"
	म ट भा और		
	60,000		
	म ट भा तक		
	60,001	2.00	"
	म ट भा और		
	अधिक		

टिप्पणी :—

1. बंदरगाह में या बाहर जलयानों के पायलट-कार्य के लिए लागू शुल्क में पत्तन के पायलट की सेवाएं और कर्मों वन महित पायलट लांच की सेवाएं शामिल हैं लेकिन लंगर डालने या हटाने, घाट पर ठहराने या वहाँ से हटाने और मोर्क्कण परिचालन के काम में लगे लांच और कर्षणों की सेवाएं शामिल नहीं हैं।

2. उपर्युक्त प्रभारों के अन्तर्गत न्यूनतम प्रभार 500 रुपये होगा।

3. "शान्त संचलन" के अन्तर्गत जलयान के पायलट-कार्य के लिए अर्थात् जलयान के इंजन की शक्ति के बिना पूर्णतः अथवा अंशतः किसी परिचालन के लिए पायलट-कार्य शुल्क उपर्युक्त से उगुनी दरों पर लिया जायेगा।

4. जलयान को प्रवाह में घाट पर या घाट में प्रवाह में ले जाने अथवा घाट या लंगरगाह खदलने के लिए प्रति परिचालन उपर्युक्त दरों के 25 प्रतिशत पर शुल्क लिया जायेगा। पत्तन की सुविधा के लिए किए गये किसी भी स्थानान्तरण के लिए प्रभार नहीं लिया जायेगा।

5. रात के समय (18.00 बजे से 6.00 बजे तक) जलयान के पायलट-कार्य के लिए उपर्युक्त दरों के 50 प्रतिशत के हिसाब से अतिरिक्त शुल्क लिया जायेगा।

6. तटीय जलयानों पर (ढेकरो से भिन्न) उपर्युक्त दरों के आधा भाग पर शुल्क लिया जायेगा।

7. यदि किसी संचलन के लिए पायलट की सेवाएं मांगी गयी हों और पायलट के जलयान पर पहुँच जाने के बाद उनका उपयोग न किया गया हो तो 600 रुपये का शुल्क लिया जायेगा। बहरहाल, यदि (क) पायलट के जलयान पर पहुँचने के दो घंटे पहले रुक करने की सूचना भिज गयी हो और (ख) किन्हीं ऐसी आपवादिक परिस्थितियों में संचलन रुक हो गया हो जिसमें जलयान का कोई दोष न हो तो वह शुल्क नहीं लिया जायेगा। यदि हम धारा के अन्तर्गत भुगतान के बारे में कोई संवेह पैदा हो तो मामला अध्यक्ष को भेजा जायेगा जो उसका निर्णय करेंगे।

8. यदि पायलट-कार्य के प्रयोजन से पायलट के बोर्ड पर पहुँचने के बाद 30 मिनट के भीतर जलयान वहाँ से नहीं चलता तो 30 मिनट की उस अवधि के बाद जब तक वह जलयान वहाँ से नहीं चलता, तब तक के लिए प्रति आध घंटा या उसके किसी हिस्से के लिए 300 रुपये का अतिरिक्त शुल्क लिया जायेगा।

9. यदि बाहर जाने वाला कोई जलयान खराब मौसम के कारण पायलट को पत्तन सीमा से बाहर ले जाता है तो जब तक वह पायलट पत्तन में झूटी पर वापस नहीं पहुँच जाता तब तक के लिए जलयान का मास्टर प्रति दिन 1,000 रुपये की दर से क्षतिपूर्ति देगा। इसके अलावा, उसे जहाज पर पायलट को खान-पान और आश्रम का व्यय वहल करना होगा। पत्तन पर पायलट को वापस भेजने का खर्च भी जलयान के मास्टर को उठाना होगा।

भाग-ख

(लंगर डालने और हटाने का शुल्क)

	दर रु. पै.	यूनिट
लंगर डालना, दोबारा लंगर डालना और हटाना	500.00	प्रति परिचालन

टिप्पणी :—

1. उपर्युक्त में से कोई भी परिचालन कार्य यदि रात के समय (18.00 बजे से 6.00 बजे तक) किया जायेगा तो उपर्युक्त दरों के 50 प्रतिशत के हिसाब से अतिरिक्त प्रभार लिया जायेगा।

2. उपर्युक्त में से कोई भी परिचालन कार्य यदि पत्तन की सुविधा के लिए किया जायेगा तो उस पर प्रभार नहीं लिया जायेगा।

टिप्पणी :—

प्रमुख नियम भारत के राजपत्र, दिनांक 4-3-67 के भाग-2, खण्ड 3, उप-खण्ड (1) में पृष्ठ 319-320 पर परिवर्तन एवं नावहन मंत्रालय की सरकारी अधिसूचना सं. सां. का. निं. 283, दिनांक 4-3-67 में प्रकाशित किये गये थे और बाद में निम्नलिखित दर द्वारा संशोधित किये गये थे :—

- (1) अधिसूचना सं. 7-पो जी (31) 167, दिनांक 31-1-68 सां. का. निं. सं. 262, दिनांक 10-2-68, पृष्ठ 270-71
- (2) अधिसूचना सं. पो जी जी-171/74, दिनांक 14-4-75, सां. का. निं. सं. 535, दिनांक 26-4-75, पृष्ठ 1222-1224
- (3) अधिसूचना सं. पो जी आर/50/77, दिनांक 22-4-77, सां. का. निं. सं. 189(ई) दिनांक 22-4-77, पृष्ठ 711-712

अधिसूचना सं. पी जी आर-106/77, दिनांक 9-11-77,
सां. कां. निं. सं. 698(ई), दिनांक 9-11-77, पृष्ठ 2155-2156
जीएस आर. सं. 689(ई), दिनांक 9-11-77, पृष्ठ 2156-2159

[फाइल सं. पी डब्ल्यू/पी जी आर/57/83]

पी. बी. राय, संयुक्त सचिव

G.S.R. 647 (E):—In exercise of powers conferred by sub-section (1) of section 35 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport No. G.S.R. 233 dated 21-2-1967 for regulating the levy of fees for pilotage and other services in the Port of Mormugao, namely :—

ORDER

1. Short title and commencement. —(1) This order may be called the Port of Mormugao Pilotage and other Services (Fees) (Amendment) Order, 1984.

(2) It shall come into force at once.

2. In the Port of Mormugao Pilotage and other Services (Fees) Order, 1967, for Part 'A' and 'B' of the Schedule, the following shall be substituted, namely :

SCHEDULE

Part A

(Pilotage Fees)

Piloting Vessels in and out of port - leviable on all vessels in ward and outward ware Pilotage	Vessel Size	Rates for inward and outward Pilotage	Units
		Rs. P.	
	Upto 1000 GRT	1.00	Per GRT
	1001 GRT upto 10,000 GRT	1.20	-do-
	10,001 upto 20,000 GRT	1.40	-do-
	20,001 GRT upto 40,000 GRT	1.60	-do-
	40,001 GRT upto 60,000 GRT	1.80	-do-
	60,000 GRT and above	2.00	-do-

NOTE

1. The fees leviable for piloting vessels in and out of the harbour includes services of the Port's Pilots and the services of pilot launch with the crew but excludes the services of launches and tugs engaged in mooring or unmooring, berthing or unberthing and towing operations.

2. Above charges shall be levied subject to a minimum of Rs. 500.

3. For piloting a vessel on "Cold Move" namely, without the power of the engine of the vessel partly or fully in any operation, pilotage fees shall be levied at double the rates mentioned as above.

4. For shifting a vessel from stream to a berth or berth to stream or change of berths or anchorages, fees shall be levied at 25 per cent of the above rates per each operation. Any shifting done for the convenience of the port shall not be charged.

5. For piloting a vessel during night hours (1800 hours to 0600 hours) additional fees shall be levied at 50% of the above rates.

6. Coastal vessel (other than tankers) shall be charged at 50 per cent of above rates.

7. In the case of pilots whose services have been requisitioned for any movement but not utilised after the pilot has boarded a vessel, fees at Rs. 600 shall be levied. However, these fees shall not be levied, in cases of: (a) cancellations received prior to two hours before the pilot boarded the vessel and, (b) cancellation of movement caused under exceptional circumstances for reasons that could not be attributed to the vessel's fault. If any doubt arises about the payment of the fees under this clause, the matter shall be referred to the Chairman, who shall decide the same.

8. If the vessel is not able to move within thirty minutes of the pilot's boarding it for the purpose of pilotage it shall be liable to pay an extra fee at the rate of Rs. 300 per half an hour or part thereof beyond thirty minutes till it moves.

9. If an outward bound vessel carried away a pilot outside the port limit due to bad weather, compensation at the rate of Rs. 1,000 per day shall be payable by the master of the vessel till the pilot report back for duty at the port. In addition, the boarding and lodging expenses of the pilot on board the ship and the cost of sending him back to the port shall also be payable by the master of the vessel.

PART B

(Mooring and Remooring Fees)

	Rate Rs. P.	Unit
Mooring, remooring or unmooring	500.00	Per operation

NOTE :

(1) Any operations as above carried out during night hours (1800 hours 0600 hours) shall be charged extra at the rate of 50% of above charges.

(2) Any operation as above performed for the convenience of the Port shall not be charged.

NOTE :

The principal rules were published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (i) dated 4-3-67 at pages 319-320 vide Government notification, Ministry of Shipping & Transport, No. GSR 283, dated 4-3-67, and was subsequently amended by:

(i) Notification No. 7-PG(31)/67 dt. 31-1-68 G.S.R. No. 262 dt. 10-2-68 pp. 270-271.

(ii) Notification No. PGG-17/74 dt. 14-4-75 GSR No. 535 dt. 26-4-75 pp. 1222-1224.

(iii) Notification No. PGR/50/77 dt. 22-4-77 GSR No. 189 (E) dt. 22-4-77 pp. 711-713.

(iv) Notification No. PGR-106/77 dt. 9-11-77

GSR No. 688 (E) dt. 9-11-77 pp. 2155-2156

GSR No. 689(E) dt. 9-11-77 pp. 2156-2159.

[F. No. PW/PGR/57/83].

P.V.

